क्र. संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विषय का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	निर्धारित स्थान/सीट	योग्यता
1.	शास्त्री	ज्योतिष	3 वर्ष	50 (प्रति विषय)	विशारद/ 10+2/ समकक्ष

- **भविष्य में रोजगार के अवसर –**
  1. **प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में प्रवाचक के रूप में अवसर ।**
  2. **निजी ज्योतिष अनुसन्धान केन्द्र आरम्भ करने का अवसर ।**
  3. **वास्तु एवं ज्योतिष परम्परा अनुसन्धान के विभागों में रोजगार के अवसर ।**
  4. **पांरम्परिक संस्कृत गुरुकुलों में ज्योतिष आचार्य के पद पर कार्य करने का अवसर ।**
  5. **ज्योतिष अध्ययन से संबन्धित स्वतन्त्र संस्थाओं में निदेशक के रुप में कार्य करने का अवसर ।**
  6. **सनातन सभ्यता एवं विदेशों में भारतीय संस्कृति एवं पुरातन ज्योतिष परम्परा को प्रसारित करने के क्षेत्र में अवसर ।**
  7. **शास्त्री के बाद शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) करके विद्यालय में टी.जी.टी., पी.जी.टी. अध्यापक एवं प्रवक्ता बनने का अवसर ।**
  8. **शास्त्री के साथ कर्मकाण्ड का डिप्लोमा करके भारतीय सेना में धर्मगुरु (J.C.O.) बनने का अवसर ।**
  9. **शास्त्री के बाद स्नातकोत्तर एवं नेट / पीएच्. डी. करके महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों में सहायक आचार्य (Assistant Professor) बनने का अवसर ।**